कहानी

चतुर खरगोश और घमंडी शेर

बहुत समय पहले की बात है. एक घना और सुंदर जंगल था, जहाँ तरह-तरह के जानवर रहते थे—हाथी, हिरण, बंदर, लोमड़ी, मोर और छोटे-छोटे खरगोश. सब अपने-अपने काम में खुश रहते थे. सुबह होते ही पक्षियों की चहचहाहट से जंगल गूंज उठता और शाम को ठंडी हवा सबको सुकून देती. लेकिन इस खुशहाल जंगल पर एक बड़ी मुसीबत आ गई थी. उस जंगल में एक बहुत ही ताकतवर शेर रहता था, जिसका नाम था शेर सिंह. वह जंगल का राजा था, लेकिन उसके अंदर दया बिल्कुल नहीं थी. उसे अपनी ताकत पर बहुत घमंड था. वह रोज़ कई जानवरों का शिकार करता और बिना किसी वजह के भी उन्हें डराता-धमकाता था. धीरे-धीरे जंगल के सभी जानवर डर के साये में जीने लगे. कोई भी खुले में खेलने या घूमने की हिम्मत नहीं करता था. छोटे-छोटे बच्चे भी अपने माँ-बाप के पास ही छिपे रहते.

एक दिन सभी जानवरों ने तय किया कि अब इस समस्या का हल निकालना ही होगा. वे सब एक पुराने बरगद के पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए. वहाँ हाथी, लोमड़ी, बंदर, हिरण और कई अन्य जानवर मौजूद थे. हाथी ने गंभीर आवाज़ में कहा, 'अगर हमने कुछ नहीं किया, तो हम सब खत्म हो जाएंगे.'

लोमड़ी बोली, 'हमें कोई ऐसी योजना बनानी होगी जिससे शेर भी खुश रहे और हमारी जान भी बच जाए.' काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने एक उपाय निकाला. अगले दिन सभी जानवर मिलकर शेर सिंह के पास गए. शेर सिंह ने उन्हें देखकर गरजते हुए पूछा, 'तुम सब यहाँ क्यों आए हो?' हाथी ने डरते हुए कहा, 'महाराज, हम आपकी प्रजा हैं और आपकी सेवा करना हमारा कर्तव्य है. लेकिन आप रोज़ इतने जानवरों को मार देते हैं कि हम सब खत्म हो जाएंगे. इसलिए हम एक विनती लेकर आए हैं.'

शेर ने पूछा, 'क्या विनती?' लोमड़ी ने कहा, 'महाराज, हर दिन हम खुद एक जानवर आपके पास भेज देंगे. इससे आपको शिकार करने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी और बाकी जानवर भी बच जाएंगे.' शेर सिंह ने थोड़ी देर सोचा और फिर बोला, 'ठीक है! लेकिन याद रखना, अगर एक भी दिन कोई जानवर नहीं आया, तो मैं पूरे जंगल को खत्म कर दूँगा!' उस दिन से हर रोज़ एक जानवर शेर के पास जाने लगा. सभी जानवर बहुत दुखी थे, लेकिन उनके पास कोई और रास्ता नहीं था. कई दिनों तक यह सिलसिला चलता रहा. एक दिन बारी आई एक छोटे से खरगोश की, जिसका नाम था चीकू. वह बहुत ही प्यारा और समझदार था. सभी जानवर उदास हो गए.

चीकू ने मुस्कुराते हुए कहा, 'आप लोग चिंता मत करो, मैं कुछ सोचता हूँ.' वह धीरे-धीरे शेर के पास जाने लगा. रास्ते में उसे एक पुराना और गहरा कुआँ दिखाई दिया. उसने उसमें झाँका और अपनी परछाईं देखी. तभी उसके दिमाग में एक शानदार योजना आई. वह जानबूझकर देर से शेर के पास पहुँचा. शेर सिंह बहुत भूखा था. जैसे ही उसने चीकू को देखा, वह गुस्से से गरज उठा, 'इतनी देर क्यों कर दी? क्या तुम मेरी बात भूल गए?'

चीकू ने डरते हुए कहा, 'महाराज, मैं तो समय पर ही आ रहा था. लेकिन रास्ते में एक और शेर मिल गया.' शेर सिंह चौंक गया, 'क्या? दूसरा शेर?' चीकू बोला, 'जी महाराज, उसने कहा कि वही इस जंगल का असली राजा है. उसने मुझे पकड़ लिया था, लेकिन मैं किसी तरह बचकर आपके पास आया हूँ.' यह सुनकर शेर सिंह का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच गया. 'मुझे अभी उस शेर के पास ले चलो!' चीकू ने कहा, 'आइए महाराज, मैं आपको दिखाता हूँ.' वह शेर सिंह को उसी कुएँ के पास ले गया. वहाँ पहुँचकर उसने कहा, 'महाराज, वह शेर इसी कुएँ में रहता है.' शेर सिंह ने जैसे ही कुएँ में झाँका, उसे अपनी ही परछाईं दिखाई दी. उसने जोर से दहाड़ लगाई. पानी में परछाईं ने भी वैसी ही दहाड़ दिखाई. शेर सिंह को लगा कि दूसरा शेर उसे चुनौती दे रहा है. गुस्से में आकर वह बिना सोचे-समझे कुएँ में कूद गया. लेकिन जैसे ही वह कूदा, वह सीधे पानी में गिरा और बाहर नहीं निकल पाया. कुछ ही देर में उसका अंत हो गया. चीकू तुरंत जंगल में वापस आया और सभी जानवरों को यह खबर दी. पहले तो किसी को विश्वास नहीं हुआ, लेकिन जब सबने जाकर देखा, तो वे खुशी से झूम उठे.

हाथी ने कहा, 'आज से हम सब आज़ाद हैं!' बंदर पेड़ों पर कूदने लगे, मोर नाचने लगे और पक्षी खुशी से गाने लगे. पूरे जंगल में जश्न का माहौल था. सभी जानवरों ने चीकू को घेर लिया और उसकी खूब तारीफ की. लोमड़ी ने कहा, 'तुमने अपनी बुद्धि से हम सबकी जान बचाई है.' उस दिन से जंगल में फिर से शांति और खुशहाली लौट आई. सभी जानवर मिल-जुलकर रहने लगे और उन्होंने यह तय किया कि वे हमेशा एक-दूसरे की मदद करेंगे.

सीख

बुद्धि और समझदारी, ताकत से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होती है. घमंड हमेशा विनाश का कारण बनता है.

बिंदु मिलाओ

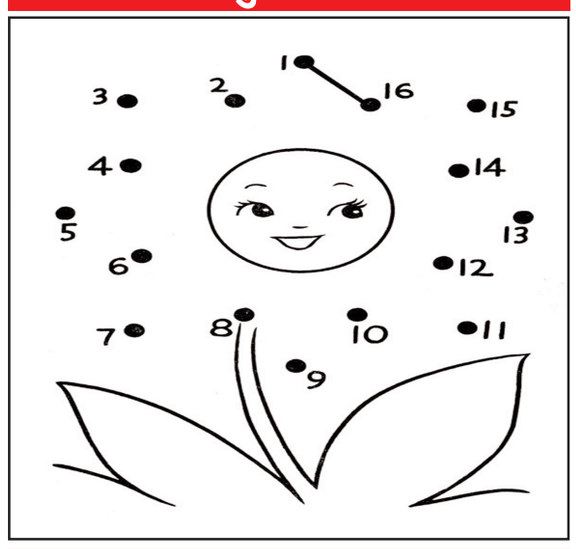

रंग भरो

प्रेरक प्रसंग

स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना-नीरा आर्या

नीरा आर्या भारत की एक बहुत बहादुर और प्रेरणादायक स्वतंत्रता सेनानी थीं. उनका जीवन हमें सिखाता है कि देश से प्यार करना और सही के लिए खड़े रहना कितना जरूरी होता है. उनका जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे. बचपन से ही उन्हें अपने देश से बहुत प्यार था और वे चाहती थीं कि भारत अंग्रेज़ों की गुलामी से आज़ाद हो जाए.

जब भारत को आज़ादी दिलाने के लिए आंदोलन चल रहे थे, तब उन्होंने आजाद हिन्द फौज में शामिल होने का फैसला किया. इस सेना का नेतृत्व सुभाष चंद्र बोस कर रहे थे, जिन्हें हम नेताजी के नाम से जानते हैं. नीरा आर्या ने इस फौज में एक जासूस के रूप में काम किया. जासूस का काम बहुत मुश्किल और खतरनाक होता है, क्योंकि उन्हें दुश्मनों के बीच रहकर गुप्त जानकारी इकट्ठा करनी पड़ती है. लेकिन नीरा जी ने बहुत हिम्मत और समझदारी से

अपना काम किया.

उनके जीवन में एक बहुत कठिन समय भी आया. कहा जाता है कि उनके पति अंग्रेज़ों की मदद कर रहे थे. जब उन्हें पता चला कि उनके पति देश के खिलाफ काम कर रहे हैं, तो उन्होंने देश को सबसे ऊपर रखा. यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने दिखा दिया कि सच्चा देशप्रेम सबसे बड़ा होता है. उनकी यह कहानी हमें सिखाती है कि हमें हमेशा सही का साथ देना चाहिए, चाहे परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो.

नीरा आर्या को अंग्रेज़ों ने पकड़ लिया और उन्हें जेल में डाल दिया. वहाँ उन्हें बहुत तकलीफ दी गई, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी. उन्होंने अपने साथियों और देश के बारे में कोई भी राज नहीं बताया. उनकी हिम्मत और सहनशक्ति बहुत महान थी. उन्होंने यह साबित किया कि एक सच्चा देशभक्त कभी डरता नहीं है.

आज़ादी के बाद भी उनका जीवन आसान नहीं था. उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी शिकायत नहीं की. वे सादगी से जीती रहीं और अपने अनुभवों से लोगों को प्रेरित करती रहीं. उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें हमेशा मेहनत करनी चाहिए और अपने देश से प्यार करना चाहिए.

नीरा आर्या से हमें सीख मिलती है कि हमें सच्चाई, हिम्मत और देशभक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए. अगर हम भी उनके जैसे अच्छे विचार रखें और सही काम करें, तो हम अपने देश को और बेहतर बना सकते हैं.

जानकारी

तेल का समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

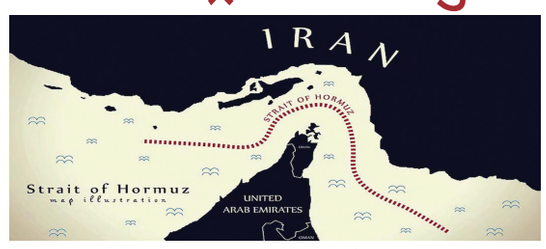

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया का एक बहुत ही महत्वपूर्ण जलमार्ग है. यह एक संकीर्ण पानी का रास्ता है जो पर्सियन गल्फ को गल्फ ऑफ ओमान और फिर अरब सागर से जोड़ता है. इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान और संयुक्त अरब अमीरात स्थित हैं. यह रास्ता इसलिए खास है क्योंकि इसके माध्यम से दुनिया के बहुत सारे देश अपना तेल और प्राकृतिक गैस प्राप्त करते हैं. लगभग दुनिया का 20 तेल इसी मार्ग से समुद्री जहाज़ों के जरिए जाता है. यही वजह है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में गिना जाता है.

यह मार्ग बहुत पतला है और इसका सबसे संकीर्ण हिस्सा केवल कुछ किलोमीटर चौड़ा है. इसलिए इस मार्ग से सिर्फ़ जहाज़ ही सुरक्षित रूप से गुजर सकते हैं. इस जलमार्ग से तेल के टैंकर गुजरते हैं, जो दुनिया के कई देशों जैसे भारत, चीन, जापान और यूरोप के देश तक ऊर्जा पहुंचाते हैं. अगर यह मार्ग बंद हो जाए या कोई संकट पैदा हो जाए, तो तेल की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ सकती हैं और वैश्विक व्यापार पर भी बुरा असर पड़ सकता है. यही कारण है कि यह मार्ग हर देश के लिए सुरक्षा और आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की सुरक्षा के लिए ईरान और ओमान दोनों देश जिम्मेदार हैं. हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और इसे दुनिया के सभी जहाज़ों के लिए खुला रखना जरूरी है. हाल में कई बार इस मार्ग को लेकर राजनीतिक तनाव देखा गया है. कभी-कभी विवाद या असहमति के कारण दुनिया ने डर महसूस किया कि अगर यह मार्ग बंद हो जाए तो ऊर्जा संकट हो सकता है.

भूल भुलैया

क्रिकेट के रोचक तथ्य

- क्रिकेट की शुरुआत 16वीं सदी में इंग्लैंड में हुई थी. सबसे तेज़ क्रिकेट बॉल फेंकने का रिकॉर्ड लगभग 161.3 km/h है.
- एक क्रिकेट मैच में 11 खिलाड़ी हर टीम में होते हैं.
- क्रिकेट के सबसे लंबे मैच को दस दिन तक खेला गया था.
- सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान कहा जाता है.
- दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है मोटेरा स्टेडियम, भारत.
- क्रिकेट का शब्द 'क्रिकेट' फ्रांस के शब्द 'क्रिकेट' से आया है.
- सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हैं.
- एक क्रिकेट गेंद को बनाने में कई महीनों का समय लगता है.

- क्रिकेट में सबसे तेज़ छक्का फेंकने का रिकॉर्ड 119 मीटर का है.

कविता

प्रकृति का नूर

सूरज की किरणें खिलती हैं
सब ओर,
हर सुबह लाती है नया सवेरा और.
पंछी गुनगुनाते, फूल मुस्काते,
हरी-भरी धरती हमें बुलाते.

नदी का पानी चमकता नीला सा,
पर्वतों की चोटियाँ जैसे नीला
तारा.
प्रकृति की गोद में है सुख अपार,
रखो इसे साफ़, यह है
हमारा उपहार.

बूझो तो जानें

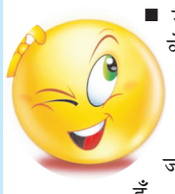

- मैं पानी में रहती हूँ, बिना पाँव के चलती हूँ. बताओ मैं कौन हूँ?
  (उत्तर: मछली)
- दिन में सोती हूँ, रात में जागती हूँ. अंधेरे में चमकती हूँ.
  (उत्तर: चमकता तारा / चाँद)
- चार पैर हैं, पूँछ भी है, घर में सबसे प्यारी मित्र है.
  (उत्तर: कुत्ता)
- लाल रंग का, मीठा स्वाद, गार्डन में उगता हर साल.
  (उत्तर: सेब)
- बिना पंख के उड़ती हूँ, बिना पैर के चलती हूँ. सबको मीठा लगती हूँ.
  (उत्तर: हवा / खुशबू)
- पानी में रहता हूँ, मछली का दोस्त कहलाता हूँ.
  (उत्तर: पानी का पौधा / जल पौधा)
- मैं छोटा हूँ, रंग-बिरंगा, फूलों पर बैठकर गाता हूँ.
  (उत्तर: तितली)

हंसी-ठिठोली

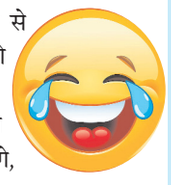

- टीचर: 'अगर पृथ्वी से सूरज गायब हो जाए तो क्या होगा?'
  बच्चा: 'सर, तब तो हम स्कूल नहीं जा पाएंगे, अंधेरा हो जाएगा!'
- बच्चा: 'पापा, मुझे स्कूल में सब हँस रहे थे.
  पापा: 'क्यों बेटा?'
  बच्चा: 'क्योंकि टीचर ने कहा था, 'सभी बच्चे ध्यान से बैठो', और मैं सो रहा था!'
- टीचर: 'बताओ, सबसे ज्यादा तेज़ क्या चलता है?'
  बच्चा: 'सर, समय! क्योंकि क्लॉक की सुई कभी रुकती नहीं!' ??
- बंदर स्कूल क्यों नहीं गया?
  क्योंकि उसके पास 'मंकी' कार्ड नहीं था!
- टीचर: 'इतना देर क्यों हो गए स्कूल?'
  बच्चा: 'सपने में भी ट्रैफिक जाम था!'

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स, लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें.**

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

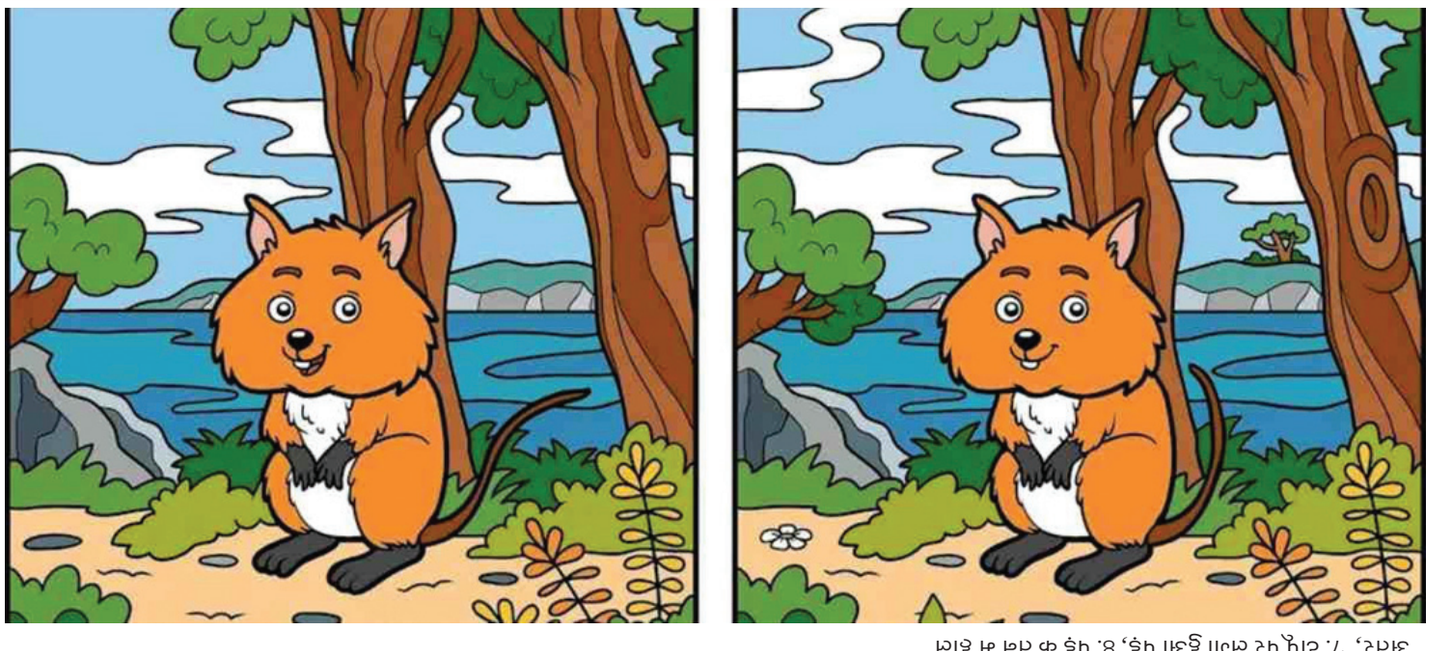

उत्तर- 1. लोमड़ी की मुस्कान में अंतर, 2. जमीन पर पड़ा सफेद फूल, 3. बादल में अंतर, 4. लोमड़ी की पूंछ, 5. नीचे वाले पौधों की संख्या में अंतर, 6. पेड़ की डाली में अंतर, 7. टापू पर लगा हुआ पेड़, 8. पेड़ के तने में होल